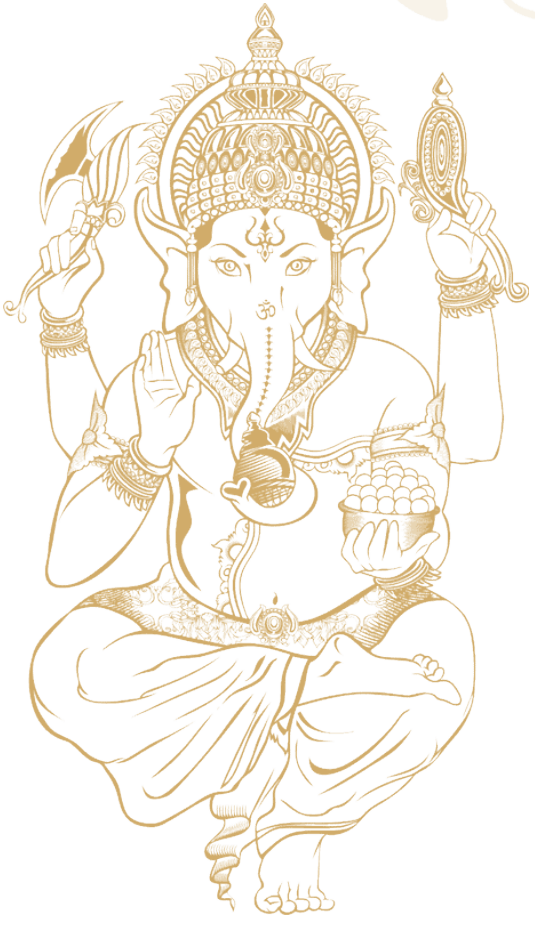

Mr. TARUN YADAV

05 Jun 2009

03:45 PM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 119026603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/2009**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:45:00 घंटे**
इष्ट	25:11:32 घटी
स्थान	**Ujjain**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:11:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:18:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:31 घंटे
साम्पातिक काल	08:14:13 घंटे
सूर्योदय	05:40:23 घंटे
सूर्यास्त	19:10:05 घंटे
दिनमान	13:29:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:53:55 वृष
लग्न के अंश	06:36:11 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:36:11	324:08:17	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृष	20:53:55	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	24:36:59	12:25:46	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	09:23:41	00:44:39	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			मेष	29:57:00	00:23:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			कुंभ	02:52:06	00:01:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मेष	05:05:38	00:57:20	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
शनि			सिंह	21:14:31	00:01:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	07:11:16	00:08:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	07:11:16	00:08:03	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मीन	02:21:35	00:01:14	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप	व		कुंभ	02:28:16	00:00:14	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	08:26:42	00:01:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	07:20:01	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:33

लग्न-चलित

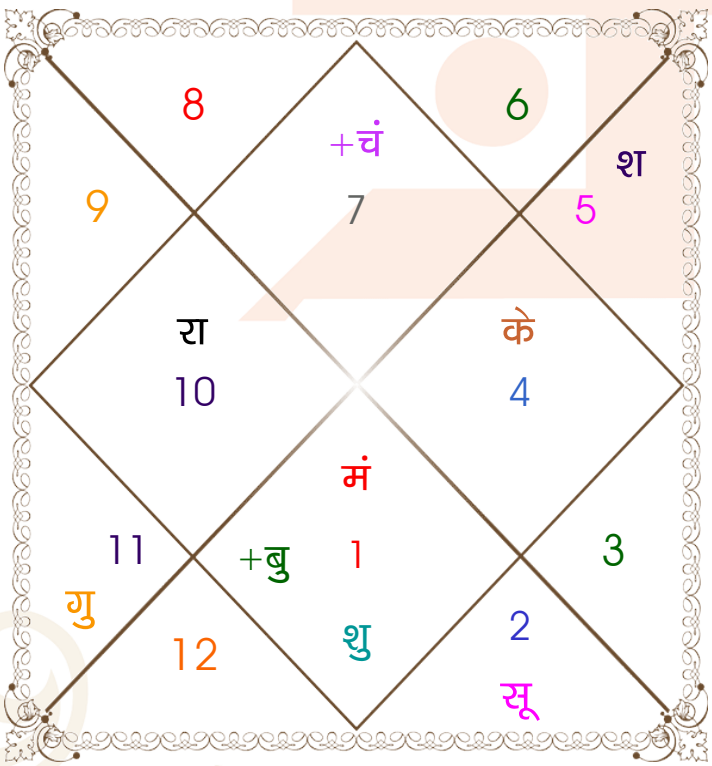

चन्द्र कुंडली

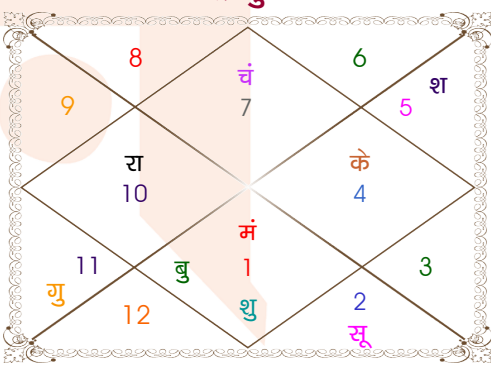

नवमांश कुंडली

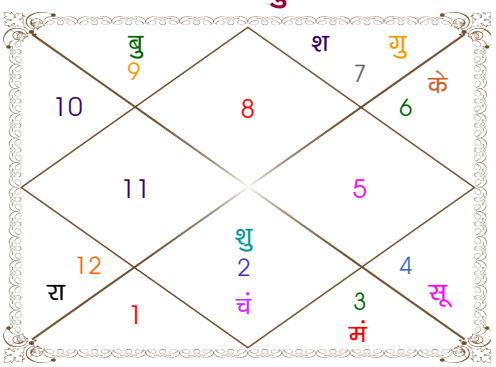

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 5 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/06/2009		21/11/2019		21/11/2038		21/11/2055		21/11/2062	
21/11/2019		21/11/2038		21/11/2055		21/11/2062		21/11/2082	
	00/00/0000	शनि	24/11/2022	बुध	18/04/2041	केतु	18/04/2056	शुक्र	22/03/2066
	05/06/2009	बुध	03/08/2025	केतु	15/04/2042	शुक्र	18/06/2057	सूर्य	22/03/2067
बुध	27/10/2010	केतु	12/09/2026	शुक्र	13/02/2045	सूर्य	24/10/2057	चंद्र	20/11/2068
केतु	03/10/2011	शुक्र	11/11/2029	सूर्य	21/12/2045	चंद्र	25/05/2058	मंगल	20/01/2070
शुक्र	03/06/2014	सूर्य	24/10/2030	चंद्र	22/05/2047	मंगल	21/10/2058	राहु	20/01/2073
सूर्य	22/03/2015	चंद्र	24/05/2032	मंगल	18/05/2048	राहु	09/11/2059	गुरु	21/09/2075
चंद्र	21/07/2016	मंगल	03/07/2033	राहु	06/12/2050	गुरु	15/10/2060	शनि	21/11/2078
मंगल	27/06/2017	राहु	09/05/2036	गुरु	13/03/2053	शनि	23/11/2061	बुध	20/09/2081
राहु	21/11/2019	गुरु	21/11/2038	शनि	21/11/2055	बुध	21/11/2062	केतु	21/11/2082

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/11/2082		20/11/2088		21/11/2098		21/11/2105		22/11/2123	
20/11/2088		21/11/2098		21/11/2105		22/11/2123		00/00/0000	
सूर्य	10/03/2083	चंद्र	20/09/2089	मंगल	19/04/2099	राहु	03/08/2108	गुरु	09/01/2126
चंद्र	09/09/2083	मंगल	21/04/2090	राहु	07/05/2100	गुरु	28/12/2110	शनि	22/07/2128
मंगल	15/01/2084	राहु	21/10/2091	गुरु	13/04/2101	शनि	03/11/2113	बुध	06/06/2129
राहु	08/12/2084	गुरु	19/02/2093	शनि	23/05/2102	बुध	22/05/2116		00/00/0000
गुरु	26/09/2085	शनि	21/09/2094	बुध	20/05/2103	केतु	10/06/2117		00/00/0000
शनि	08/09/2086	बुध	20/02/2096	केतु	16/10/2103	शुक्र	10/06/2120		00/00/0000
बुध	16/07/2087	केतु	20/09/2096	शुक्र	15/12/2104	सूर्य	04/05/2121		00/00/0000
केतु	21/11/2087	शुक्र	22/05/2098	सूर्य	22/04/2105	चंद्र	03/11/2122		00/00/0000
शुक्र	20/11/2088	सूर्य	21/11/2098	चंद्र	21/11/2105	मंगल	22/11/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।